संख्या-59/2026/266के-2/22-3-2025-17(1167)/19

प्रेषक,

कमलेश कुमार,
उप सचिव
उत्तर प्रदेश शासन।

सेवा में,

महानिदेशक/महानिरीक्षक,
कारागार प्रशासन एवं सुधार सेवायें,
उत्तर प्रदेश, लखनऊ।

कारागार प्रशासन एवं सुधार अनुभाग-3 लखनऊ दिनांक 17 मार्च, 2026

विषय:- जिला कारागार, मुजफ्फरनगर में निरूद्ध सिद्धदोष बंदी आशू गुप्ता पुत्र श्री ओमप्रकाश गुप्ता, निवासी जनपद-मुजफ्फरनगर की 14 वर्षीय नामिनल रोल के आधार पर समयपूर्व रिहाई के सम्बन्ध में।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक वरिष्ठ अधीक्षक (मु0), कारागार प्रशासन एवं सुधार सेवायें, उ0प्र0 के पत्र संख्या-4040/प्रो0अनु0(2)-286/2025/(बैठक दिनांक 21.01.2025), दिनांक 30.01.2025 का कृपया संदर्भ ग्रहण करें।

2- उक्त पत्र द्वारा उपलब्ध कराये गये प्रस्तावानुसार जिला कारागार, मुजफ्फरनगर में निरूद्ध सिद्धदोष बंदी आशू गुप्ता पुत्र श्री ओमप्रकाश गुप्ता, जो सहाबराय, कस्बा व थाना-जानसठ, जनपद-मुजफ्फरनगर का निवासी है। बंदी द्वारा दिनांक 27-11-2003 को वादी के पुत्र अभिषेक को घर से ले जाकर रूपये 10 लाख वसूलने के इरादे से अपने 05 सहअभियुक्तों के साथ मिलकर अपहरण किया एवं वादी को शक हो जाने के कारण अभिषेक की हत्या कर दी और लाश को दो हिस्सों में काटकर जंगल में दबा दिया। उक्त अपराध हेतु बन्दी को सत्र परीक्षण सं0-184/2004 में भा0द0वि0 की धारा-302/34, 364, 201 के अन्तर्गत मा0 न्यायालय, अपर सत्र न्यायाधीश, एफ0टी0सी0-प्रथम-मुजफ्फरनगर के आदेश दिनांक 01.02.2007 द्वारा मृत्युदण्ड से दण्डित किया गया। बंदी की अपील को मा0 उच्च न्यायालय, इलाहाबाद के आदेश दिनांक 22-01-2016 द्वारा निर्णीत करते हुए उक्त बंदी के मृत्युदण्ड को आजीवन कारावास में परिवर्तित कर दिया गया तथा मा0 उच्चतम न्यायालय के आदेश दिनांक 12-07-2016 द्वारा बंदी के आजीवन कारावास को यथावत रखा गया। जेल रिपोर्ट के अनुसार बन्दी की आयु लगभग 42 वर्ष है। बंदी द्वारा दिनांक 08-01-2025 तक 21 वर्ष, 01 माह, 11 दिन की अपरिहार तथा 23 वर्ष, 04 माह, 22 दिन की सपरिहार सजा भोगी गई है।

मा0 उच्चतम न्यायालय द्वारा निर्दिष्ट 05 बिन्दुओं की आख्या में वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक एवं जिला मजिस्ट्रेट, मुजफ्फरनगर के अनुसार बंदी द्वारा कारित अपराध समाज को व्यापक रूप से प्रभावित करने, भविष्य में अपराध करने की संभावना होने, बंदी के पुन: अपराध करने में अशक्त नहीं होने, बंदी को आगे निरूद्ध रखने का सार्थक प्रयोजन होने, बंदी के परिवार की सामाजिक आर्थिक दशा समयपूर्व रिहाई हेतु उपयुक्त नहीं होने का अंकन करते हुए बंदी की समयपूर्व रिहाई की

1- यह शासनादेश इलेक्ट्रानिकली जारी किया गया है, अत: इस पर हस्ताक्षर की आवश्यकता नही है ।

2- इस शासनादेश की प्रमाणिकता वेब साइट http://shasanadesh.up.gov.in से सत्यापित की जा सकती है ।

http://shasanadesh.up.gov.in

संस्तुति नहीं की गयी। मा0 दण्डन न्यायालय के पीठासीन अधिकारी द्वारा बंदी की समयपूर्व रिहाई न्यायसंगत प्रतीत नहीं होने का अभिमत प्रदान किया गया है।

सलाहकार समिति का अभिमत है कि बंदी द्वारा कारित अपराध के दृष्टिगत मा0 उच्चतम न्यायालय द्वारा निर्दिष्ट 05 बिन्दुओं की आख्या में वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक, जिला मजिस्ट्रेट, मुजफ्फरनगर द्वारा बंदी की समयपूर्व रिहाई की संस्तुति नहीं की गयी है। उक्त के स्पष्ट है कि बंदी को कारागार से रिहा करने पर समाज में रोष व तनाव व्याप्त होगा तथा लोक व्यवस्था एवं शांति व्यवस्था पर प्रतिकूल प्रभाव पडेगा, प्रकरण में ऐसा कोई तथ्य परिलक्षित नहीं है, जिसके आधार पर वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक, जिला मजिस्ट्रेट की आख्या/संस्तुति के प्रतिकूल अवधारण बनाई जा सके। इस प्रकार समिति के समस्त सदस्यों द्वारा सम्यक विचारोपरान्त मत स्थिर करते हुए बंदी द्वारा किये गये अपराध की गंभीरता एवं जघन्यता व बंदी को कारागार से रिहा करने से समाज में भय का वातावरण व्याप्त होने, लोक व्यवस्था एवं शान्ति व्यवस्था पर प्रतिकूल प्रभाव पडने, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक एवं जिला मजिस्ट्रेट द्वारा समयपूर्व रिहाई की संस्तुति नहीं किये जाने के दृष्टिगत सी0आर0पी0सी0 की धारा-432 द0प्र0सं0 के अन्तर्गत सिद्धदोष बंदी आशू गुप्ता पुत्र श्री ओमप्रकाश गुप्ता को उत्तर प्रदेश जेल मैनुअल के प्रस्तर-180 के अन्तर्गत 14 वर्षीय नामिनल रोल के आधार पर समयपूर्व रिहाई किये जाने की संस्तुति नहीं की गयी है।

3- उपर्युक्त वर्णित तथ्यों के परिप्रेक्ष्य में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि जिला कारागार, मुजफ्फरनगर में निरूद्ध सिद्धदोष बंदी आशू गुप्ता पुत्र श्री ओमप्रकाश गुप्ता, निवासी जनपद-मुजफ्फरनगर की जेल मैनुअल के प्रस्तर-180 के अन्तर्गत 14 वर्षीय नामिनल रोल के आधार पर समयपूर्व रिहाई सम्यक् विचारोपरान्त श्री राज्यपाल द्वारा अस्वीकार कर दिया गया है।

कृपया उपरोक्त निर्णय से बन्दी को भी अवगत कराने का कष्ट करे।

भवदीय,
कमलेश कुमार
उप सचिव।

संख्या-266(1)के-2/22-3-2025 तद्दिनांक।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

1- जिला मजिस्ट्रेट, मुजफ्फरनगर।

2- अधीक्षक, जिला कारागार, मुजफ्फरनगर।

3- नोडल अधिकारी/अधीक्षक, जिला कारागार, गाजियाबाद को विशेष अनुज्ञा याचिका (क्रिमि0) संख्या-529/2021 सोनाधर बनाम छत्तीसगढ़ राज्य तथा सुओ मोटो रिट पिटीशन (क्रिमि0) संख्या-04/2021 पॉलिसी स्ट्रेट्जी फार ग्रान्ट ऑफ बेल में मा0 उच्चतम न्यायालय, नई दिल्ली द्वारा पारित आदेशों के सन्दर्भ में।

4- निजी सचिव, मा0 मंत्री/राज्यमंत्री, कारागार प्रशासन एवं सुधार विभाग, उ0प्र0।

5- कारागार प्रशासन एवं सुधार अनुभाग-2, उत्तर प्रदेश शासन।

6- गार्ड फाईल।

आज्ञा से,
ममता श्रीवास्तव
अनु सचिव।

1- यह शासनादेश इलेक्ट्रानिकली जारी किया गया है, अत: इस पर हस्ताक्षर की आवश्यकता नही है ।

2- इस शासनादेश की प्रमाणिकता वेब साइट http://shasanadesh.up.gov.in से सत्यापित की जा सकती है ।

http://shasanadesh.up.gov.in